गोलालारीय समाज का मुखपत्र

श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास इन्दौर

golalariya.darshan@gmail.com
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com
9406744064

मासिक
गोलालारीय दर्शन

सफलता के 13 वर्ष

लेट पोस्टिंग

अपनों के साथ अपनी बातें

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/IDC/1252/2021-2023

सेवा में,

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं । हृदय नहीं वह पत्थर है, जिसको समाज से प्यार नहीं ।

वर्ष : 13 अंक : 8 पृष्ठ संख्या : 8 माह – 15 जून 2022 सहयोग राशी 1100/– देकर सदस्य बनें ।

भव्य पंचकल्याणक महामहोत्सव से सज गया ब्रजपुर का चन्द्रायतन तीर्थ

ब्रजपुर, सिध्दार्थ जैन, रुपेश जैन । श्री 1008 अतिशय क्षेत्र चंद्रायतन तीर्थ ब्रजपुर में श्री 1008 श्री आदिनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्वशांति महायज्ञ श्रमणाचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ व मुनि श्री 108 आस्तिक्य सागर जी व मुनि श्री 108 प्रणीत सागर जी महाराज के सादर सानिध्य में 1 मई से 6 मई तक सानंद संपन्न हुआ।

संस्कार जीवन में अत्यावश्यक हैं, वस्तु कैसी भी हो चाहे चेतन या अचेतन उस पर संस्कार होने के बाद वह पूज्यता को प्राप्त हो जाती हैं। पाषाण को प्रतिमा का रूप देने के लिए पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जाता हैं।

पन्ना जिले के ब्रजपुर ग्राम में स्थित दिगंबर जैन बड़ मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य श्रमण मुनि 108 श्री आस्तिक्य सागर जी महाराज के प्रेरणा से होकर श्री 1008 अतिशय क्षेत्र चंद्रायतन तीर्थ के नाम से परिवर्तित कर रखा गया। यहां पर उतुंग दिगंबर जैन प्रतिमाएं स्थित है। मुनि श्री आस्तिक्य सागर जी के गुरु परम पूजनीय श्रमणाचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ 30 मुनिराज व ब्रह्मचारी भैया सहित बज्रपुर में 3 मई, अक्षय तृतीया के दिन आगमन से आयोजन स्थल जैन धर्म के जयकारों से गूंज उठा।

प्रथम दिवस घट यात्रा, ध्वजारोहण, मंडप प्रतिष्ठा, सकलीकरण, इंद्र प्रतिष्ठा, यागमंडल विधान व अंकुरारोपण क्रियाएं की गई। गर्भ कल्याणक के पावन दिवस पर गर्भ कल्याणक पूजन, गोद भराई के अवसर पर श्रावकों ने बढ़–चढ़कर धर्म लाभ लिया। जन्म कल्याणक के अवसर पर जन्म संस्कार विधि कराई गई, जब माता ने बालक आदिनाथ को जन्म दिया उस मंगल बेला पर प्रांगण जयकारों से गूंज गया । इन्द्रों द्वारा रत्नों की वर्षा की गई, उपस्थित श्रावकों ने भी हर्षोल्लास के साथ बालक आदिनाथ के जन्म पर रत्नों की वर्षा की आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने दिव्य देशना की।

तप कल्याणक दिवस महोत्सव का विशेष दिन होता आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने कहा कि जीवन में तप का बड़ा ही महत्व है । जैन मुनियों की कठिन साधना, तप, त्याग का विस्तार से वर्णन करते हुए बताया कि मनुष्य जीवन एक क्रिकेट मैच की तरह है इसमें जिंदगी की पिच पर सिर्फ आपको अकेले खेलना पड़ता है अकेले ही बैटिंग करना होती है, आप को आउट करने के लिए पूरे 11 खिलाडी होते हैं। ज्ञान कल्याणक के दिवस आचार्य विशुद्ध सागर जी ने कहा कि इस संसार में जीवन जीने की कला जैन धर्म के पहले तीर्थकर भगवान आदिनाथ ने सिखाई है उन्होंने कहा कि एक पिता का अपने बच्चों के प्रति दायित्व और एक बेटे का अपने पिता के प्रति विनय पूर्ण कर्तव्य का ज्ञान आदिनाथ भगवान ने कराया उन्होंने कहा वर्तमान परिवेश में समाज में कई प्रकार की विषमता दिखाई दे रही हैं इसलिए जरुरी है कि हम बेटियों को भी बेटों के समान शिक्षित प्रशिक्षित कराएं। मोक्ष कल्याणक की मंगल बेला में भगवान आदिनाथ के मोक्ष गमन पर उपस्थित श्रावकों के जयकारों संपूर्ण प्रांगण गुंजायमान हो गया । इस अवसर पर आचार्य श्री ने कहा कि हम अपने स्वयं के साथ ही अपने परिजनों और समाज बंधुओं के हितार्थ कार्य करना चाहिए ।

महामहोत्सव में प्रतिदिन उत्साहपूर्वक अभिषेक, पूजन, शांतिधारा पश्चात विधिविधान अनुसार यज्ञ व अन्य धार्मिक क्रियाएं इन्द्र इन्द्राणीयों द्वारा कर हजारों श्रावकों के साथ पुण्य लाभ अर्जित किया प्रतिदिन महाआरती, नृत्य नाटिका व विविध कार्यक्रमों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

हीरो की नगरी बज्रपुर को पहली बार 30 साधुओं का समागम प्राप्त हुआ जिससे आसपास के ग्रामों व नगरों के हजारों श्रावकों ने इस भव्य आयोजन के हर कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लेकर सहभागिता निभाई। इस पवित्र स्थान चन्द्रातन तीर्थ की जो भी श्रद्धा से परिपूर्ण होकर भक्ति करता हैं उसके दुख मिट जाते हैं **भक्ति करो अतिशय क्षेत्र चंद्रायतन की, अवश्य राह मिलेगी सिद्धायतन की।**

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में पंचकल्याणक समिति के अध्यक्ष श्री नरेंद्रकुमार जैन, कार्यकारी अध्यक्ष श्री राहुलकुमार जैन, श्री चक्रेश जैन, उपाध्यक्ष श्री सुनीलकुमार जैन श्री सत्येंद्र जैन, श्री अशोककुमार जैन, कोषाध्यक्ष श्री के.सी. जैन सहकोषाध्यक्ष श्री सिद्धार्थ जैन, श्री सनत जैन, श्री अनुज जैन, श्री रविंद्र जैन महामंत्री श्री सुनीलकुमार जैन अंकित जैन के साथ पंडाल व्यवस्था समिति, अतिथि सम्मान समिति, भोजन व्यवस्था समिति, आवास समिति, मुनि सेवा समिति व प्रचार प्रसार समिति का विशिष्ट योगदान रहा हैं। कार्यक्रम व मंच संचालन की जवाबदारी श्री सनत कुमार जैन व श्री के.सी. जैन द्वारा निभाई गई।

देखने और दिखाने से नहीं होता धर्म – श्रवणाचार्य श्री विशुद्ध सागरजी

ईशानगर, छतरपुर जिनेंद्र कुमार जैन – ईशानगर में दिनांक 13 से 17 मई तक पंचकल्याणक महोत्सव विविध कार्यक्रमों के साथ सानंद संपन्न हुआ पंचकल्याणक के अंतिम दिवस मोक्ष कल्याणक के अवसर पर भव्य गजरथ निकाली गई भगवान के मोक्ष कल्याणक की मंगल बेला पर समारोह स्थल श्रीजी के जयकारों से गुंजायमान होता रहा ।

पंचकल्याणक के मंगल अवसर पर आयोजित धर्मसभा में 108 आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि अपन पढे. लिखे हैं या अनुभवी है, कैसे हैं हम लोग, इन दोनों में बहुत बड़ा अंतर होता है उन्होंने कहा कि पढ़ा लिखा व्यक्ति तो केवल किताबों को पढ़ता है किताबों को पढ़कर अनुभव से किया गया कार्य लंबे समय तक चलता है और ऐसा ही धर्म का स्वभाव है, धर्म केवल देखने और दिखाने से नहीं होता, श्रद्धा का बीज अपने अंदर अंकुरित करें और संकल्प लें कि अपने देव, शास्त्र व गुरु के प्रति श्रद्धा बनाकर रखेंगे, इससे श्रद्धा की शक्ति अपने आप प्राप्त हो जावेगी ।

108 आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में त्रिमूर्ति जिनबिम्ब मंदिर के पंचकल्याणक महोत्सव के अंतिम दिन मोक्ष कल्याणक महोत्सव के दिन इन्द्र, इंद्राणी द्वारा अभिषेक शांतिधारा पूजन व हवन पश्चात भव्य गजरथ शोभायात्रा कार्यक्रम स्थल से प्रारंभ होकर रामराजा चौराहे होती हुई सकल दिगंबर जैन मंदिर पहुंची, जगह–जगह गजरथ शोभायात्रा का स्वागत व श्रीजी का की आरती श्रावकों द्वारा विनय पूर्वक उतारी गई। स्वर्ण रथ पर सवार श्रीजी का कार्यक्रम स्थल पर अभिषेक शांतिधारा कर पूर्ण विधि विधान के साथ नवीन वेदिका पर विराजमान किया गया। इस भव्य कार्यक्रम का संचालन जितेन्द्र जैन नौगांव ने किया व ईशानगर के अनेक श्रावकों जिनेंद्र जैन, अभिषेक जैन, अशोक जैन, अनुज (अन्नू) जैन, दीपक जैन, रोहित जैन, प्रिंस जैन, सुधांशु जैन, प्रवीण जैन, अमित जैन, सुनील जैन, राहुल जैन, मनोज जैन, अजय जैन, राज जैन, राजेश जैन, चन्द्रप्रकाश जैन आदि ने कार्यक्रम को भव्य बनाने में अपनी सहभागिता निभाई।

परामर्श प्रमुख

श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद

श्री प्रदीपकुमार जैन, रायपुर

प्रधान संपादक

सिंघई राजेन्द्र जैन 'बागो', 9424013136

सह संपादक

श्रीमती अनुपमा-रजनीश जैन, 9009066884

श्रीमती साधना-सुनील जैन, 8602696165

श्री विशाल जैन, 9453167716

कोषाध्यक्ष

सुधेशकुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक

राजेन्द्रकुमार जैन, सायकलवाले 9425353972

खुशालचंद जैन, 9302123879

कोमलचंद जैन, 9329524227

संयोजक एवं प्रकाशक

बाहुबली जैन, 9827247847

सहयोगी सदस्य

श्री निर्मलकुमार जैन, विदिशा

आजीवन सदस्य

श्री राजेन्द्र कुमार जैन, पिछोर

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
सहयोगी सदस्य (10 वर्ष)	1100/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855 IFSC Code: SBIN0030134 में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/-
फुल पेज (अंदर)	11000/-
1/2 पेज	5000/-
1/4 पेज	3000/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-

गोलालारीय समाज, इन्दौर के लिए गौरवशाली एवं अविस्मरणीय दिवस

इन्दौर, अनुपमा जैन । दिनांक 1 जून से गोलालारीय समाज द्वारा दो जिनालयों का संचालन किया जायेगा, यह हमारे लिए गर्व का दिन हैं लगभग 40 वर्ष पूर्व गोलालारीय समाज के तत्कालीन संगठन ने 64 न्यू देवास रोड पर प्रथम जिनालय की रुपरेखा रखी थी, जहां आज 1008 श्री शांतिनाथ मंदिर के साथ गोलालारीय समाज न्यास व उससे जुड़ी सभी संस्थाओं का प्रमुख कार्यालय भी है ।

समाज के कुमेड़ी स्थित लॉर्ड आदिनाथ कॉलोनी में 1008 श्री आदिनाथ भगवान के जिनालय में अस्थाई वेदी व जिनबिम्ब स्थापना का दो दिवसीय भव्य समारोह 31 मई व 1 जून 2022 को हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न हुआ। संत शिरोमणि परम पूज्य 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद व पंडित रतन जी शास्त्री जी के निर्देशन तथा बा. ब्र. अनिल भैया एवं अभय भैया 'आदित्य' के परम सानिध्य में यह महोत्सव साआनंद संपन्न हुआ। प्रथम दिवस 31 मई को गोलालारीय समाज न्यास के प्रमुख मंदिर 1008 श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, न्यू देवास रोड़ से 1008 श्री आदिनाथ भगवान की प्रतिमा सविनय नवीन मंदिरजी में अस्थाई रुप से विराजमान करने की मंगल भावना को धारण कर भव्य घटयात्रा के साथ श्री राम एनक्लेव से लॉर्ड आदिनाथ कॉलोनी में आगमन हुआ जिसमें समाजजनों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

नवीन जिनालय में महोत्सव का ध्वजारोहण समाज के स्थाई ट्रस्टी श्री रमेशचंद-प्रभा जैन, श्री नरेश-कल्पना जैन परिवार द्वारा किया गया, मंदिर जी में प्रथम प्रवेश श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास के सचिव श्री बाहुबली-निशा जैन एवं डॉ. शैलेन्द्र जैन, श्री विकास व श्री पवनकुमार जैन द्वारा किया गया। अभिषेक, पूजन पश्चात महोत्सव के मुख्य पात्रों का चयन बा. ब्र. अभय भैया आदित्य के कुशल नेतृत्व में किया गया -

* सौधर्म इन्द्र श्री योगेश-अनीता जैन, स्कीम 78, * ईशान इन्द्र - श्री कोमलचंद-पुष्पा जैन, महावीर नगर * सानत इन्द्र - श्री विमलकुमार - मुन्नीदेवी जैन, क्लर्क कॉलोनी, * माहेन्द्र इन्द्र - श्री अभिनय-सूर्या जैन, कालिंदी कुंज, श्री जिनेन्द्र-मंजू जैन 'पप्पी', परदेशीपुरा * महायज्ञ नायक - श्री अशोक-रेखा जैन, नंदा नगर के साथ सभी धार्मिक क्रियाएं सानन्द संपन्न हुई ।

दोपहर को यागमंडल विधान में समाजजनों ने उत्साह पूर्वक अपनी सहभागिता निभायी । सांय 7.30 पर श्री सुधेश जैन ने 48 दीपों के साथ संगीतमय भक्तामर पाठ के वाचन ने सबको भाव विभोर कर दिया ।

आयोजन के दूसरे दिन 1 जून को सुबह अभिषेक, शांतिधारा के पश्चात अस्थाई वेदी पर 1008 श्री आदिनाथ भगवान की प्रतिमा को विराजमान किया। तत्पश्चात श्री शांतिनाथ विधान व हवन की क्रियाएं हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न हुई। अस्थाई वेदी पर 1008 श्री आदिनाथ भगवान की प्रतिमा विराजमान करने का सौभाग्य सौरभ चंद्रकुमार-पुष्पा जैन, एम.आई.जी. को प्राप्त हुआ। वेदी पर प्रथम शांतिधारा का सौभाग्य भी सौरभ चंद्रकुमार जैन व मनोज शीलचंद जैन परिवार को मिला। तत्पश्चात छत्र चंवर के लिए श्री अशोककुमार जैन कालानी नगर, श्री अंकलक कैलाशचंद जैन, उज्जैन व डॉ. समीर जैन तिलक नगर द्वारा चांदी के छत्र चंवर भेंट किए गए। अष्ट प्रतिहार्य व अन्य नित्य पूजन सामग्री भेंट करने के लिए समाजजनों ने बढ़-चढ़कर सहयोग प्रदान किया।

ज्ञातव्य हो, कि नवीन मंदिर निर्माण में श्री रमेशचंद्र-प्रभा जैन व नरेश-कल्पना जैन परिवार द्वारा वेदी निर्माण व शिखर निर्माण में विशेष सहयोग किया है। इसके साथ ही 1008 आदिनाथ भगवान की मूल प्रतिमा के लिए इंजी. आनंदकुमार-कल्पना व भरतेश-पूर्णिमा जैन व धातु की 12 प्रतिमाओं के लिए श्री चंद्रकुमार जैन, श्री प्रियंक जैन, श्रीमती कल्पना जैन 'बागो', डॉ. समीर जैन, श्री राजेश जैन गुरू कृपा कालोनी, श्री राजेन्द्रकुमार जैन (साइकल वाले) डॉ. रुपेश मोदी, श्री अशोककुमार जैन नंदानगर, श्री गौरव जैन मुम्बई, श्री शीलचंद जैन अहमदाबाद, श्री नरेश जैन, श्रीमती चंदा पंचरतन का सहयोग मिला है। 2018 में भूमि पूजन का सौभाग्य डॉ. रुपेश हेमचन्द्र मोदी परिवार द्वारा किया गया। उसी दिन से इस मंदिर को भव्य बनाने में अपना विशिष्ट योगदान देने वाले श्री बाहुबली जैन व श्री कोमलचंद जी जैन के अथक प्रयासों को इन्दौर समाज सदैव याद रखेंगा । आगामी योजनाओं में इस मंदिर के साथ जैन युवकों के लिए होस्टल निर्माण का कार्य भी चल रहा है जिसमें ठहरने व भोजन की व्यवस्था रहेगी। मंदिर प्रांगण में समाज के जो भी श्रावक कोई भी धार्मिक आयोजन करना चाहेंगे उनके लिए भोजन की व्यवस्था कराने का भी प्रयास भी किया जा रहा हैं, यह योजना दिवाली तक मूर्तरुप लेने की संभावना है।

समारोह के अंत में समाज के स्थाई ट्रस्टी श्री रमेशचंद जैन, इंजी. आनंदकुमार जैन, श्री खुशालचंद जैन, श्री राजेन्द्र जैन 'बागो', समाज अध्यक्ष श्री कोमलचंद जैन व सचिव श्री बाहुबली जैन, कोषाध्यक्ष श्री राजेन्द्रकुमार जैन व डॉ. रुपेश मोदी ने बा. ब्र. अभय भैया 'आदित्य' का सम्मान किया। इस अवसर पर डॉ. रुपेश मोदी जी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बा. ब्र.अभय भैया जी का समाज के प्रति स्नेह व सहयोग का जो ऋण हैं, उसे हम आजीवन भूला नहीं सकेंगे। उन्होंने समाजजनों का आभार व्यक्त कर आव्हान किया कि इसी प्रकार के सहयोग की भावना के साथ हमें पंचकल्याणक महोत्सव को भी सफल बनाना है ।

इस मंगल अवसर पर नगर के पंचबालयति मंदिर से ब्रह्मचारी श्री सुरेश भैया, वरिष्ठ समाजसेवी श्री हंसमुख गांधी, पुलक चेतना मंच के श्री प्रदीप बडज़ात्या, गुमास्ता नगर अध्यक्ष श्री प्रतिपाल टोंग्या, परदेशीपुरा समाज अध्यक्ष एड. अरविन्द कुमार जैन, सुखलिया समाज अध्यक्ष श्री विनोद जैन, अहिंसा सोशल ग्रुप अध्यक्ष श्री संजय जैन व क्लर्क कालोनी मंदिर अध्यक्ष नवीन गोधा, विस्तारा मंदिर, शिखरजी ड्रीम्ज़, महालक्ष्मीनगर मंदिर , गोलालारीय महिला मंडल, भक्तामर मंडल व विजयनगर मंदिर से अनेक श्रावकों सहित समाज के अनेक वरिष्ठ सदस्य श्री खुशाल चंद जी,श्री सुरेश चंद जी, श्री नवीन कुमार पंचरतन जी, श्री सुगनचंद जैन, श्री प्रकाशचंद जैन आदि अनेक श्रावकों ने पूर्ण भक्ति भाव से पूजा अर्चना कर पुर्ण्यार्जन किया। अनेक श्रावकों ने नवीन मंदिर जी में उपयोग में आने वाली अनेक वस्तुओं के लिए चंचला लक्ष्मी के दान की घोषणा कर पुर्ण्यार्जन किया।

झांसी के संस्फ्रान अशोक सिटी में चैतन्य चमत्कारी सांवलिया पार्श्वनाथ भगवान के मंदिर का भूमि पूजन एवं भव्य शिलान्यास समारोह साआनंद संपन्न...

झांसी, राजेश जैन । अशांत मन को शांत करने, वाणी में समरसता घोलने, इंद्रियों पर विजय पाने एवं संयम धारण करने का प्रेरणा स्थल होता है जिनेंद्र देव का मंदिर ।

झांसी की संस्क्रान अशोक सिटी कानपुर ग्वालियर बायपास रोड़ पर चैतन्य चमत्कारी सांवलिया पार्श्वनाथ भगवान के मंदिर का भूमि पूजन एवं भव्य शिलान्यास सैकड़ो वर्षों के लिए भक्तों को मानव जीवन की सार्थकता का बोध कराता रहेगा । यह आशीर्वचन संस्क्रान अशोक सिटी में जैन मंदिर के भूमि पूजन एवं भव्य शिलान्यास के अवसर पर 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी के परम प्रभावी शिष्य 108 मुनि श्री अविचल सागर जी महाराज एवं 108 मुनि श्री विहसन्त सागर जी ने अपने उद्‌बोधन में कहा, उन्होंने कहा कि मंदिर में प्रवेश करते ही भगवान के अनंत गुणों का स्मरण उनका त्याग, चिंतन एवं उनको भक्ति से निहारना यह सब मनुष्य के पापों को हरने वाला होता है इन्हीं सब से मनुष्य का कल्याण होता है। 108 मुनि श्री विहसन्त सागर ने कहा कि बिना जिन दर्शन के जैन धर्म अपूर्ण हैं युवा पीढ़ी को जैन धर्म की ओर मोड़ना उन्हें जैन धर्म का स्वरुप बताना एवं सिखाना आज की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसलिए आवश्यक है कि प्रतिदिन देव दर्शन, भक्ति, स्वाध्याय, संयम प्रत्येक जैन अनुयायी अपनी सामर्थ्य के अनुसार अवश्य करें ।

इसके पूर्व 108 आचार्य श्री विद्यासागर महामुनिराजजी के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्जवलन झांसी के महापौर श्री रामतीर्थ सिंघल एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सरकार प्रदीप जैन आदित्य संस्क्रान मंदिर समिति के अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार जैन IFS डॉ.निर्देश जैन एवं संस्क्रान अशोक सिटी के महाप्रबंधक सचिन शर्मा ने किया। मंगलाचरण श्रीमती महिमा जैन एवं रितिका जैन ने संयुक्त रूप से किया इस अवसर पर भक्तों ने मुख्य शिला, स्वर्ण शिला, रजत शिला, ताम्र शिला, रत्नों एवं मंगलदीप आदि के साथ प्रतिष्ठाचार्यद्वय ब्रह्मचारी जय निशांत भैया एवं ब्रह्मचारी दीपक भैया टेहरका के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। समारोह में मंदिर कमेटी के अध्यक्ष वीके जैन IFS, महामंत्री राजेश जैन, (सभासद नगर निगम) कोषाध्यक्ष डॉ. निर्देश जैन, निवाडी विधायक अनिल जैन, निवाड़ी जेल अधीक्षक विकास जैन, दिगंबर जैन पंचायत समिति के अध्यक्ष अजीत जैन, प्रकाशचंद जैन एडवोकेट, दिगंबर जैन महासमिति के कार्याध्यक्ष प्रवीण जैन, दीपचंद जैन, पावस जैन, इंजी. हुकुमचंद जैन, ललित जैन, सुभाष जैन, डॉ पी.के.जैन, डॉ. अक्षय जैन, डॉ.अभिषेक जैन, डॉ. जिनेंद्र जैन, डॉ. सिद्धार्थ जैन, डॉ.अमित जैन, डॉ.मुकेश जैन, डॉ. अंशुल जैन, डॉ. एमके जैन, डॉ. अर्पित जैन, दुष्यंत जैन, अंकित जैन, सी ए नमीश भंडारी, बाहुबली जैन, अशोक जैन, महेश चंद जैन, संजीव जैन, संदीप जैन, वीरेंद्र जैन शास्त्री, इंजी. के.सी.जैन, राजीव शिवाजी, विनोद जैन, गौतम जैन, संजय जैन, वरुण जैन, शिरोमणि जैन, यूथुप सर्राफ, दिनेश जैन, सौरभ जैन, प्रमोद जैन, आनंद जैन, सौरभ जैन, सलिल जैन, प्रभात जैन, श्रेयांश जैन, श्रीमती कमलेश जैन, श्रीमती राशि जैन, डॉ.रुचि जैन, श्रीमती भागवती जैन, श्रीमती अंजू जैन, श्रीमती देवी जैन, श्रीमती शशि जैन, श्रीमती अंजना जैन, श्रीमती राखी जैन, श्रीमती रजनी जैन, श्रीमती रचना जैन, श्रीमती दीप्ति जैन, श्रीमती आयुषी जैन, श्रीमती सुषमा सिंघल आदि समेत सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने एक–एक ईंट रखकर भव्य मंदिर निर्माण का संकल्प लिया। इस मंदिर के निर्माण होने से कानपुर ग्वालियर बायपास मार्ग पर साधु जनों के आगमन पर संत भवन और आसपास के जैन धर्मावलंबियों के लिए जैन मंदिर दर्शन की सुखद अनुभूति हमेशा होती रहेगी।

कार्यक्रम का सफल संचालन राजेश जैन 'सभासद' एवं राकेश जैन बरुआसागर ने संयुक्त रुप से किया।

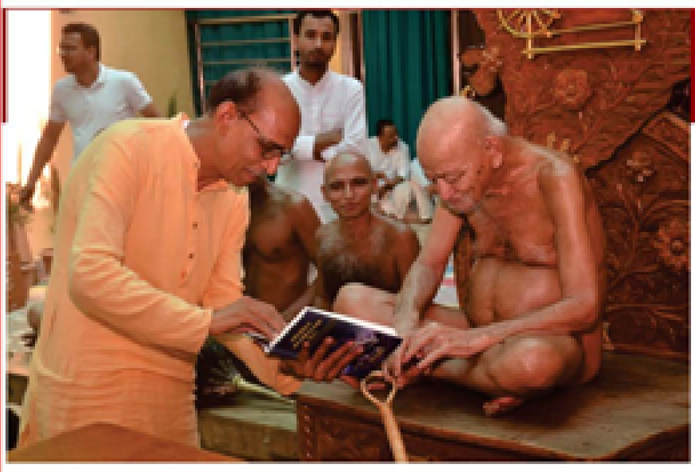

भारतीय इतिहास में श्रमण संस्कृति का योगदान (प्रथम भाग)

समर्पित श्रावक धर्म, सुसंस्कार व विनयशीलता से आप्लावित श्री निर्मलकुमार जैन, विदिशा की यह कृति जैन संस्कृति की बहुप्रतीक्षित ग्रंथ की पूर्ति करती है । विगत सप्ताह उन्होंने यह कृति संत शिरोमणि 108 आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज को रहली पटनागंज, म.प्र. में भेंट की, फिर 108 आचार्यश्री विशुद्धसागरजी के कर कमलों में भेंट कर असीम आशीर्वाद का संवर्द्धन किया । जन–जन के प्रेरणास्त्रोत व अधरों की मृदु मुस्कान से ही आनंद से ही अभिसिंचित करने वाले पूज्य 108 मुनि श्री अभयसागरजी महाराज को कृति भेंट कर आनंद की अनुभूति उन्होंने प्राप्त की । परम पूज्य 108 मुनिश्री प्रमाणसागरजी व अन्य साधुवृंद उनके इस विशाल लेखन के प्रेरणास्त्रोत हैं । इस कृति में श्री निर्मलजी ने तीर्थंकर नेमिनाथ, श्रीकृष्ण काल से प्रारंभ कर मौर्य वंश की गाथा कह सम्राट खारबेल के विश्वप्रसिद्ध हाथी गुफा शिलालेख की गाथा लिखी है। विश्व विजेता भगवान बाहुबली के पोदनपुर पर साक्ष्य प्रस्तुत करते हुए उन्होंने बौद्ध संस्कृति सहित अनेकों स्थान पर श्रमण संस्कृति को साक्ष्यों के साथ प्रस्तुत किया है । वैदिक संस्कृति में भी वेद, ब्राह्मण, उपनिषद, महाभारत आदि ग्रंथों पर भी उन्होंने अपनी लेखनी चलाई है । डॉ. सुधीर रंजन इस पुस्तक की भूमिका में लिखते हैं कि श्री निर्मलकुमार जैन ने भारतीय इतिहास में श्रवण संस्कृति के योगदान का विस्तार से उद्घाटन किया है, सबसे अच्छी बात है कि भारतीय परंपरा की सभी धातुओं को साथ जोड़कर देखने की प्रवृत्ति और कौशल, विग्रह का बिल्कुल अवकाश नहीं, श्रवण संस्कृति का कोई भी पक्ष न छूटे इसका भरपूर प्रयास है । लगातार जैन संस्कृति का प्रवाह दर्शाते हुए उन्होंने सिंधु घाटी की सभ्यता, मथुरा का कंकाली टीला, बासोकुंड (बिहार) राजगृही में जैन प्रतिमा व प्रतीकों की प्रमाणिक उपस्थिति को दर्शाया है । भारत से हजारों किलोमीटर दूर मिस्त्र, यूनान, पाकिस्तान, मंगोलिया, अफगानिस्तान, अफ्रीका, अमेरिका, वियतनाम में भी यही साक्ष्य उन्होंने प्रस्तुत किये हैं साथ ही श्रमण संस्कृति के प्रमुख पर्वों और कालांतर में उनके साथ जुडती हुई परम्परा और सामाजिक समरसता को प्रकट करने का सफल प्रयास किया है । लगभग 6 वर्ष के समर्पित श्रम का नवनीत यह कृति देश के श्रेष्ठ प्रतिष्ठान भारतीय ज्ञानपीठ से प्रकाशित हुयी है । यह एक तथ्य भी इस कृति का प्रमाणिक, तथ्य परक व श्रेष्ठ होने का प्रमाण है । आवरण पृष्ठ पर कैलाश पर्वत एवं ऋषभदेव के पुत्र भारत द्वारा बनवाए गए घण्टे व वंदनवार के पावन चित्र संजोये इस कृति धर्म पिपासुओं, इतिहास वेत्ताओं व शोधकर्ताओं तथा जन–जन को एक नया आलोक व दिशा प्रदान करेगी । धरा के श्रेष्ठतम संतों के आशीर्वाद से अभिसंचित कृति के प्रकाशन पर श्री निर्मलकुमार जैन निश्चित रूप से बधाई, सम्मान एवं साधुवाद के पात्र हैं, उनके इस प्रयास से विदिशा नगरी एवं बुंदेलखंड गौरवान्वित हुआ है एवं इसके परिप्रेक्ष्य में श्रवण संस्कृति की प्राचीनता सभी के द्वारा सहज स्वीकारी जायेगी । श्री जैन का योगदान सदैव स्मरण किया जाएगा कृति के अगले भाग की हम सभी को प्रतीक्षा है। **–इंजी. अरुण कुमार जैन, फरीदाबाद**

समीक्षा : राजा बेटा (बाल उपन्यास)

बाल उपन्यास राजा बेटा,भाई अरुण कुमार जैन की कृति पारायण करने का मुझे अवसर मिला । जब पढ़ना प्रारम्भ किया तो एक साथ में ही पढ़ गया, इसलिए नहीं कि यह लघु कथा है, वरन इसलिए कि इसमें कुछ अद्भुत ही है । दरअसल इसे बच्चों की कृति कहना ही बचपना ही होगा, क्योंकि इसकी जरुरत बच्चों से कहीं अधिक बड़ों को है, जो संसार में बहुत लिप्त हैं। जिन्हें इन दिनों खासतौर पर आइसोलेशन में रहना पड़ रहा हो और बेवजह अवसाद से घिर रहे हो, उन्हें यह उपन्यास अवश्य पढ़ना चाहिए । कथा नायक दिनेश अनाथ होने पर पग–पग अनहोनियाँ झेलता है, पर उसकी मां के अंतिम समय में उससे कहे ये शब्द उसे टूटने नहीं देते कि 'तू तो मेरा राजा बेटा है, तू दिनेश है जो सारे संसार को प्रकाश व ऊर्जा देता है । और दिनेश अपनी अवस्था से भी अधिक परिपक्वता दिखाता है, वह रुकता नहीं, थकता नहीं, आत्मघात नहीं करता, चुकता नहीं, बुझता नहीं, गिरता है पर फिर उठ खड़ा होता है, गिर–गिर कर संभलता है और अंत में लेखक कथा को सुखांत कर पाठक को निराशा से उबरने में सफल होता है, प्रेरणा अत्यंत सारगर्भित है कि चिंता से आकुल व्याकुल होने से आपत्ति कम न होकर बढ़ सकती है और सामना करने से रास्ता निकलता ही है। ऐसा कोई अंधेरा नहीं जिसकी सुबह न हो पर रात का दीपक बनने की कला धैर्य से स्वयंमेव निकलती है. जिंदगी है तो सब कुछ हो सकता है अगर समाप्त कर लोगे तो सारे रास्ते स्वतः बंद कर लोगे ।

उपन्यास का प्रवाह और कथानक की तारतम्यता पाठक को बांधे रहती है. कभी कथा नायक बालक दिनेश के प्रति संवेदना जगाती है तो कभी घटनाओं पर गुस्सा लाने में भी कलमकार सफल हुआ है । कृति की भाषा और शैली रोचक और मुहावरेदार है. कभी–कभी बालक की बडों से अधिक समझदारी पाठक को उबाती भी है, पर योग दुयीग स्वभावी है यह सोचकर पाठक बोर नहीं होता।

पुस्तक के आकार और कीमत पर ना जाएं क्योंकि दोनों ही कम है पर पढ़ियेगा अवश्य। कथा आगे बढ़ने की ओर प्रेरित भी करेगी । आशा है कथा जगत में इसका स्वागत होगा., हाल ही में इसका दूसरा संस्करण चेन्नई से प्रकाशित हुआ है। अंग्रेजी संस्करण भी पाठकों के समक्ष आ चुका है ।

समीक्षक : पद्मश्री अलंकृत साहित्यकार श्री कैलाश मड़वैया, भोपाल

लेखक – इंजी. अरुणकुमार जैन, फरीदाबाद

विनम्र श्रद्धांजली

* श्री चंद्रेशकुमार जैन, विजयकुमार जैन एवं अजय कुमार जैन के पूज्य पिताजी **श्री प्रतापचंद जी मोदी** का देवलोकगमन दिनांक 26 मई को महरौनी में हो गया है आप सामाजिक एवं धार्मिक कार्य में विशेष रूचि रखते थे ।
* स्व. श्री शांतकुमार के पुत्र एवं श्री धन्यकुमार के छोटे भाई व राजेश जैन, राकेश जैन (डब्लू), साकेत जैन के बड़े भाई **श्री कस्तूरचंद जी जैन (राख वालों)** का देवलोकगमन 7 मई को ललितपुर में हो गया आप सरल स्वभावी व धार्मिक कार्यों में रुचि लेने वाले व्यक्तित्व थे ।
* श्री प्रदीपकुमार जैन व प्रमोद जैन के पिताजी **श्री शिखरचंदजी जैन** का देवलोक गमन दिनांक 9 मई को उज्जैन में हो गया।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि...

विशेष सहयोगी 2100/-

श्री अरविंद जैन भाई जी
श्री असित जैन पीडब्ल्यूडी क्वार्टर
श्री डीके जैन आकृति अपार्टमेंट
श्री कैलाश चंद जैन न्यू जगदंबा कॉलोनी
श्री निर्मल कुमार जैन प्रेस्टीज डुप्लेक्स
श्री प्रदीप कुमार जैन आनंद कॉलोनी
श्री राजीव जैन, दयानगर
श्री सनत कुमार जैन शक्ति नगर
श्री सुनील जैन, आनंद
श्री सुनील जैन तार बाबू , लालकुआं
श्री सुरेंद्र जैन, पान दरीबा
श्री विजय जैन, लार्गडगंज

दस वर्षीय सदस्य 1100/-

श्री अशोक कुमार जैन शिवनगर
श्री अनूप जैन प्रियदर्शनी परिसर
श्री रितेश जैन शीतलपुरी
श्री आशीष जैन बलदेवबाग
श्री दिलीप कुमार जैन संगम कॉलोनी
श्री प्रदीप कुमार जैन लाल कुआं
श्री प्रमोद कुमार जैन, राठी कालोनी
श्रीमति रूपा जैन, आदर्श कालोनी

उपरोक्त सभी सदस्यों को जबलपुर कमेटी के श्री अरविंद कुमार जैन, श्री जयकुमार जैन, डॉ. सुनील कुमार जैन, श्री अश्विन जैन एवं श्री आलोक जैन के प्रयासों से गोलालारीय दर्शन परिवार से जोड़ा है ।

गोलालारीय दर्शन परिवार आप सभी का हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

मां

मां तो हर किसी के जीवन में अनमोल होती है,
जो हमारी खुशियों के लिए जीवन भर रोती है।
मेरी मां ने ही तो हमें दुनिया के काबिल बनाया,
अरुणा की यादों से एक पल को दूर रह न पाया।
जन्म देने से आज तक मां ने बहुत कष्ट सहे हैं,
लेकिन उसने अपने दर्द कब किसी से कहे हैं।
मां के जैसे हमें जीवन में बहुत रिश्ते मिले हैं,
नानी मां गजराबाई ने कब गिले-शिकवे किए हैं।
दादी मां के चरणों में हमें हमेशा जन्नत दिखी है,
मैंदाबाई से तो हमेशा सदाचार की शिक्षा मिली है।
बुआ मां ने भी तो हमें हमेशा बहुत दुलारा है,
मीना और ममता जो परिवार की सितारा हैं।
बहन मां ने भी तो हमें हमेशा खूब संवारा है,
दीपा और दीप्ति जो परिवार का किनारा हैं।
चाची मां भी तो आई जब बचपन गया था बीत,
फिर मोहिनी ने लिख दिये हमारी खूबियों के गीत।
मौसी मां ने भी तो हमें जिंदगी के मायने बताये,
जब पुष्पा ने अभावों में खुश रहने के गुण सिखाये।
मामी मां तो हैं सहनशीलता की बेमिशाल प्रतिमूर्ति,
विमलेश करती हैं ननिहाल में प्रेम स्नेह की आपूर्ति।
भाभी मां से भी तो हमें भरपूर स्नेह है मिला,
नीतू के आने से परिवार का हर कोना खिला।
जिंदगी जीने के लिए पत्नी का मिला है सहारा,
आकांक्षा के आने से सुखद जीवन मिला द्वारा।
बेटी के आने से परिवार की बगिया महक उठी,
भाविता के बोलने से घर की खुशियां चहक उठी।
मिष्ठी मानुषी मैत्री परी भव्या अनमोल हैं,
मां के लिए हमारे पास अब क्या बोल हैं ?
आर्या श्रेया श्रुति भी हमारे लिए विशेष हैं,
अब सासू मां प्रमिला का प्रेम भी अशेष है।
जीवन की कृति को हमनें उसूलों से सजाया है,
लेकिन मेरी मां ने हमेशा हमसे दुःख ही पाया है।

-विशाल जैन पवा, (सह संपादक)
लेखक की यह प्रथम कृति है ।

भगवान आदिनाथ को कैलाश पर्वत से निर्वाण की प्राप्ति, मोक्ष गमन हुआ

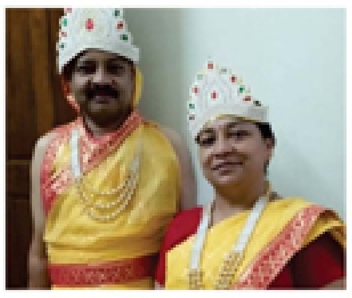

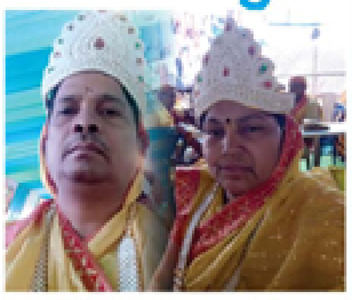

जबलपुर,अरविन्द जैन । 108 आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के शिष्य निर्यापक मुनिपुंगव सुधा सागर जी महाराज के सानिध्य में दिनांक 3 से 8 मई तक जबलपुर के श्री दिगंबर जैन अतिशय तीर्थ क्षेत्र, हनुमानताल के तत्वाधान में शहीद स्मारक परिसर, गोल बाजार में श्रीमज्जिनेंद्र आदिनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न हुआ। इस पुनीत अवसर पर मुनिपुंगव सुधासागर जी महाराज ने शाकाहार पर जोर देकर कहा कि शाकाहार की महत्ता प्रतिपादित कर मनुष्य जन्म सफल करने पर बल दिया, स्पष्ट किया कि आहार से ही मानसिक शुद्धि होती है यदि आहार शुद्ध नहीं होगा तो मानसिकता भी अशुद्ध हो जाएगी, इसलिए भोज्य व अभोज्य का विभेद गंभीरता से समझकर आचरण करना होगा। ज्ञान कल्याणक के अवसर पर महाराज जी ने ज्ञान कल्याणक की गहन मीमांसा करते हुए कहा कि ज्ञान के समान पवित्र करने वाला कोई नहीं है, जब जीवन में ज्ञान का उद्भव होता है, तब सार और असार के बीच का विभेद साफ हो जाता है और इस तरह ही मनुष्य जन्म सफल बनाता हैं।

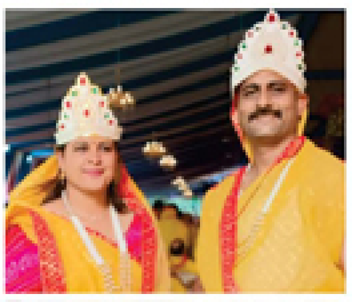
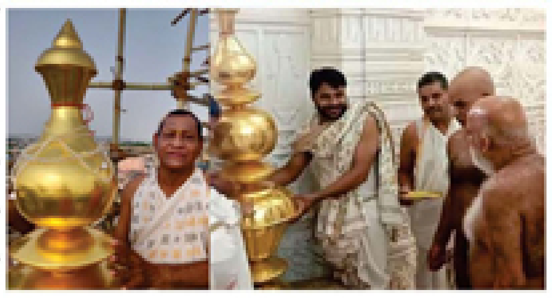

श्री दिगम्बर जैन शासनोदय अतिशय तीर्थक्षेत्र हनुमान ताल के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर 15 शताब्दी का मंदिर है शिलालेखों से साफ होता है कि इस जिनालय में 1542 से 1548 तक की प्राचीन प्रतिमाएं विराजमान हैं। कलचुरी कालीन कलापूर्ण आकृति से युक्त भगवान आदिनाथ की मनोहरी प्रतिमा राजा कर्ण के समय की हैं, महाभारत काल में राजा कर्ण इस प्रतिमा का पूजन किया करते थे विश्व की इस अद्भुत प्रतिमा की हस्त मुद्रा सीप के आकार की हैं, इस वजह से यह प्रतिमा ऐश्वर्य सुख शांति समृद्धि प्रदान करने वाली हैं। गोलालारीय समाज के श्री रितेश- सविता जैन, श्री घनश्याम-अंजना जैन, श्री रत्नेश-निहारिका जैन, श्री रविंद्र-रश्मि जैन व श्री शरद- दीपाली जैन ने इंद्र बनकर पुण्यार्जन किया इस मंगल अवसर पर श्री प्रदीप जैन व विवेक जैन ने कलशरोहण में सहभागी बने।

मोक्ष कल्याणक के अवसर पर गजरथ फेरी में 24 तीर्थकरों को रथों पर सवार कर भव्य शोभायात्रा ने सभी का मन मोह लिया रथोत्सव का शुभारंभ होते ही श्रावकों मे असीम उत्साह भर गया, गजरथ पर विराजमान सौधर्म इन्द्र व कुबेर इन्द्र ने रत्नों की वर्षा की उन रत्नों को श्रावक गणों ने सहेज कर अपने आप को धन्य माना । इस अवसर पर जबलपुर नगर की सभी जैन संस्थाएं ने अपनी जिम्मेदारियों का पूर्ण मनोयोग से निर्वाह किया इस महोत्सव में गोलालारीय समाज के अनेक सद्स्यों ने अपनी महती भूमिका निभाकर इस आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दिया

जिनालय हमारी संस्कृति की धरोहर - मुनिश्री

बाकल । प्रत्येक सभ्यता और संस्कृति की पहचान उसके धार्मिक आयतन, मंदिर, साधक और कुलीन परंपरा से होती है हमारी श्रवण संस्कृति की पहचान जिन आयतन और श्रमण साधु है। धर्म के आयतन में जहां हमारी श्रद्धा उत्तरोत्तर प्रगाढ़ होकर मुखर होती है परमात्मा के दर्शन भक्ति पूजा-पाठ आदि नित्य क्रियाएं संपन्न कर अपने पुण्य को उत्तरोत्तर बढ़ाते हैं और मानव जीवन की सफलता का आदर्श प्रस्तुत करते हैं ।

श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर जी बाकल के नवीन आयतन के निर्माण कार्य का प्रारंभ शुभ तिथि में समाज के सभी धर्मानुरागियों ने अपना श्रम सहयोग देकर कार्यक्रम को सफलता प्रदान की । कार्यक्रम के प्रारंभ में 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य 108 मुनि श्री निर्दोष सागर जी, 108 मुनि श्री निर्लोभ सागर जी महाराज के परम सानिध्य में श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर जी के नवीन आयतन का शुभारंभ सकल जैन समाज द्वारा आशीर्वाद लेकर प्रारंभ किया गया । मंदिर निर्माण कार्य में समाज के प्रमुख जनों में जीवनधर मोदी, नरेंद्र सिंघई, सुरेंद्र सिंघई पवन मोदी, डॉ सुबोध जैन, मनोज मोदी, अजय अहिंसा, संजय मोदी, स्वप्निल साहूकार, अरविंद सिंघई, मनोज जैन, मंजू विमल सिंघई, आनंद जैन, जितेंद्र मोदी, अभय जैन, विजय सिंघई, अंशुल जैन, आर्जव जैन, सौरभ जैन, शिक्षक अनिल सिंघई, अनुराग जैन, सुमेर जैन, नीलेश जैन, पंकज जैन, पत्रकार पुष्पेन्द्र मोदी सहित महिला मंडल अध्यक्ष प्रतिभा मोदी, हर्षिता जैन आदि सदस्यों ने किया ।

अर्चना जैन ने रेलवे में हिन्दी के प्रयोग की मांग का प्रस्ताव रखा

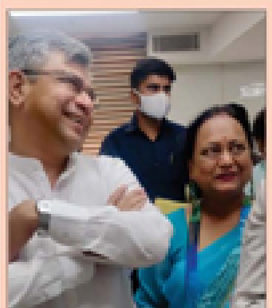

5 मई को दिल्ली में हिंदी के प्रचार प्रसार समिति की बैठक रखी गई थी। रेलवे मंत्रालय द्वारा इस बैठक की अध्यक्षता श्रीमान अश्विनी वैष्णव रेल मंत्री जी ने की। इस बैठक में हिंदी सलाहकार समिति की सदस्य श्रीमती अर्चना जैन ने अपने विचार रखे और मुख्य रुप से प्रस्ताव रखा कि हिन्दी के पुस्तकालय हर रेलवे स्टेशन पर होने चाहिए और साथ ही रेलवे के डिब्बों में भी होना चाहिए। अर्चना जैन जी की बातों पर सभी ने ध्वनिमत से सहमति जताई। हिंदी समिति की बैठक के पश्चात अर्चना जैन रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी से व्यक्तिगत मुलाकात करने श्री अनिल जैन जी के साथ गई। रेल मंत्री जी ने यथाशीघ्र सभी बातों पर विचार करने की बात कही।

भारतवर्षीय दि. जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी मध्यांचल का शपथ विधि समारोह सम्पन्न।

दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्रो के सरक्षंण, संवर्द्धन-जीर्णोद्धार एवं विकास की अग्रणी संस्था भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी (मध्यांचल) का शपथ विधि समारोह महावीर तपोभूमि प्रणेता, वाचस्पति आचार्य श्री 108 प्रज्ञासागर जी महाराज के सानिध्य में 22 मई को नवग्रह जिनालय इंदौर में सम्पन्न हुआ । भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव माननीय श्री कैलाश जी विजयवर्गीय के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न। कार्यक्रम में तीर्थ क्षेत्र कमेटी राष्ट्रीय महामंत्री माननीय श्री संतोष जी पेंडारी ने श्री डी.के.जैन को मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ मध्यांचल के अध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण कराई । इस अवसर पर नगर की अनेक संस्थाओं के पदाधिकारी मौजूद थे।

हार्दिक बधाईयाँ

* कुमारी नयनश्री जैन ने तीर्थकर महावीर मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर मुरादाबाद से MBBS की डिग्री प्राप्त कर चिकित्सक बन परिवार, समाज व नगर का नाम रोशन किया है। 2017-18 नीट से चयनित कुमारी नयनश्री अपने दृढ़ निश्चय से ही मुकाम को हासिल किया है। आप गोलालारीय समाज, पन्ना के वरिष्ठ व प्रतिष्ठित हीरा व्यवसायी श्री नरेन्द्र-सुरुचि जैन की पुत्री है ।

* दिगम्बर जैन समाज की 127 साल पुरानी भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के प्रांतीय व संभागीय त्रैवार्षिक चुनाव कुंदकुंद ज्ञानपीठ उदासीन आश्रम इन्दौर में संपन्न हुए जिसमें श्रुत संरक्षणी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष का भार जबलपुर की डॉ. श्रीमती निधि सुनील जैन को चुना गया है। डॉं निधि जैन नगर व प्रदेश की अनेक धार्मिक व सामाजिक संगठनों संगठनों के महत्वपूर्ण पदों पर आसीन हैं।

* गोलालारीय समाज विदिशा के सचिव डॉ. राहुल जैन को भारतीय जनता पार्टी, विदिशा जिला संयोजक बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ नियुक्ति किया गया है।

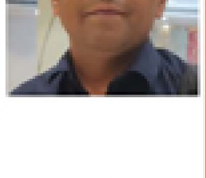

* दिग्मबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के महाकौशल विंध्य ग्रुप रीजन, जैन सोशल ग्रुप जबलपुर मेन के द्वारा कोरोना काल में दी गई सेवाओं के चलते 'श्रेष्ठ मानव सेवा सम्मान' मैहर के श्री प्रबोध जैन को प्रदान किया गया । आप मैहर जैन सोशल ग्रुप के सचिव भी है ।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से बहुत बहुत बधाईयाँ ।

विशेष : ● **वर्ष 2021–22 की मेडिकल एवं इंजीनियरिंग व अन्य प्रवेश परीक्षा में उच्च रैंक प्राप्त करने वाले बच्चे अपनी जानकारी फोटो सहित भेजे।**

● कक्षा 6 से 8 तक 80 % या बी1 ग्रेड ● कक्षा 8 से स्नातकोत्तर या प्रोफेशनल कोर्सेस में 70 %/ बी2 ग्रेड या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी उक्त प्रारुप, अंक सूची की फोटोकॉपी के साथ **15 जुलाई 22** तक निम्न पते पर भेंजे ताकि आगामी अंक में उन्हे उचित स्थान दिया जा सकें। प्राप्त अंक सूचीयों को वरीयतानुसार प्रकाशित करा जावेगा। उक्त प्रारुप की फोटो कॉपी भी कराई जा सकती है। **विशेष नोट** – अंक सूची पर पूर्णांक/प्राप्तांक /प्रतिशत/ओवर आल ग्रेड (फायनल ग्रेड) स्पष्ट रुप से लिखना अनिवार्य है। ● अंक सूची पर काट पीट या ओवरराइटिंग न करें। उक्त प्रारुप को पूर्ण रुप से स्पष्ट भरा होने पर ही प्रविष्टी मान्य होगी। ● वर्ष 2021–22 की अंकसूची ही स्वीकार होगी। स्नातक/ स्नाकोत्तर/ प्रोफेशनल कोर्सेस पूर्ण होने पर ही उसकी मार्कशीट की फोटोकॉपी भेंजे। ● अंकसूची की संपूर्ण फोटोकॉपी भेजे जिसमें ग्रेड निर्धारण का विवरण अनिवार्य रुप से होना चाहिए।

● **अपूर्ण जानकारी, अंकसूची नहीं होने पर, आवेदन फार्म नहीं होने पर फार्म को निरस्त कर दिया जायेगा।**

फार्म भेजने का पता : ''गोलालारीय दर्शन'',
संपादक – राजेन्द्र जैन 'बागो', डी.के.एन. 230, स्कीम नं. 74–सी,
विजय नगर, इन्दौर –452010

आप अंकसूची व फोटो की ईमेज 9406934065 पर भेज सकते है।

प्रविष्टि भेजते समय परिवार मुखिया का नाम व सदस्यता क्र. का उल्लेख अवश्य करें

वर्ष 2021-22 में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सम्मानित करने हेतु आवेदन फार्म

वर्ष 2021–22 की परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थी निम्न प्रारुप में अपना विवरण 15 जुलाई 2022 तक **गोलालारीय दर्शन** कार्यालय पर भेज सकते है।

विद्यार्थी का नाम: ______________________ कक्षा__________

पिता/माता का नाम : ______________________

डाक का पूर्ण पता : ______________________
नगर के पिन कोड
फोन सहित देवे। ______________________

सदस्यता क्रं. लिखे

फोन/मोबाइल : ______________________

कुल अंक: __________ **प्राप्तांक**__________ **प्रतिशत/ग्रेड** __________

विशेष उपलब्धि: ______________________

नवीन फोटो पर नाम व शहर का नाम लिखकर पिन लगाकर देवें

सदस्यता क्रमांक देखने के लिए पेपर पर चिपके आपके नाम के स्टीकर को देखें।

नोट – कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थी अंकसूची प्राप्त न होने की दशा में इंटरनेट से प्राप्त अंकसूची की फोटोकॉपी भी भेज सकते है।

विदिशा के शीतलधाम में चक्रवर्ती विवाह जैन विवाह पद्धति से संपन्न हुआ

राजेश मनोरिया, विदिशा। बरों वाले बाबा श्री 1008 आदिनाथ भगवान के पाद मूल में आचार्य गुरुदेव विद्यासागरजी महाराज एवं निर्यापक मुनि सुधासागर जी महाराज की प्रेरणा से जैन धर्म के आदि पुराण में वर्णित चक्रवर्ती विवाह विदिशा निवासी श्री अभय कुमार जैन के सुपुत्र पत्रकार देवांश जैन का शुभ विवाह अहमदाबाद निवासी संजीव कुमार जैन की सुपुत्री प्रियंका जैन के साथ साआनंद संपन्न हुआ। विवाह की समस्त क्रियाओं को पं. अन्नू जी पारस भैया के निर्देशन में पूर्ण कर गृहस्थ जीवन में प्रवेश कराया। प्रातःकालीन वेला में सर्वप्रथम बरों वाले बाबा श्री 1008 आदिनाथ भगवान के पाद प्रक्षालन पश्चात श्री 1008 पार्श्वनाथ स्वामी का अभिषेक, शांतिधारा एवं दैनिक पूजन के उपरांत भगवान की वेदी के चारों ओर फेरे लेने के बाद विवाह संपन्न होता है। ज्ञातव्य रहे चक्रवर्ती विवाह करने वाले वर–वधु को एक दिन पूर्व उपवास एवं संकल्पानुसार ब्रह्मचर्य का पालन एवं गुरुदर्शन करना होता है। जैन धर्म में हजारों वर्ष पूर्व चक्रवर्ती विवाह हुआ करते थे, समय के साथ–साथ ऐसी विवाह प्रक्रिया लुप्त होती चली गयी।

चक्रवर्ती विवाह को निर्यापक मुनि श्री सुधासागर जी महाराज ने गृहस्थों को प्रेरणा देते हुये प्रारंभ कराया मुनि श्री ने कहा कि सर्वश्रेष्ठ तो आत्मकल्याण के लिये मोक्षमार्ग ही है, अतः दीक्षा लेने की ही प्रेरणा दी जाती है। लेकिन यदि आप पूर्णतया संयम के मार्ग पर नही चल सकते तो आपको आदि पुराण में वर्णित गृहस्थ जीवन में प्रवेश करना चाहिये। इस प्रकार का विवाह जैन मंदिर में भगवान के समक्ष किया जाता है।

बायोडॉटा प्रारुप का विवरण

1.	क्रमांक	9.	वर्ण
2.	प्रत्याशी का पूरा नाम	10.	व्यवसाय
3.	स्वयं / मामा का गोत्र	11.	वार्षिक आय
4.	जन्म दिनांक	12.	कुंडली मिलान
5.	जन्म समय (रेलवे समयानुसार)	13.	मंगली
6.	जन्म स्थान	14.	पत्र व्यवहार का पता
7.	शिक्षा	15.	फोन / मोबाईल नं.
8.	कद / वजन		

प्रत्याशी का नवीन फोटो

1.	001		
2.	**दिशा मनोज जैन**		
3.	वैद्य/–		
4.	31.05.1997		
5.	23.19	11.	–
6.	जबलपुर	12.	–
7.	B.Com, CA Finalist	13.	–
8.	5'1''/ –	14.	मोदी इलेक्ट्रानिक्स ट्रंक एंड फर्नीचर्स बस स्टेण्ड, बाकल
9.	गोरा		
10.	–	15.	**9755897845, 9165106909**

1.	002		
2.	**शुभम सतीशचंद्र जैन**		
3.	फणीश/दिवाकीर्ति		
4.	14.09.1991		
5.	08.20	11.	8.00 लाख
6.	ललितपुर	12.	–
7.	BCA, Polytechnic	13.	आंशिक
8.	5'6''/ 65 कि.	14.	399, अटल विद्या मंदिर के पीछे, आजादपुर, ललितपुर
9.	साफ		
10.	सर्विस– साफ्टवेयर इंजीनियर	15.	**8960660862, 9889520019**

1.	003		
2.	**वर्षा विनोद जैन**		
3.	वैद्य / पंचरतन		
4.	16.07.1996		
5.	15.20	11.	6.50 लाख
6.	–	12.	–
7.	B.Tech (Biotech)	13.	–
8.	5'3''/–	14.	नेहरु वार्ड चांदामेटा तह. परासिया, जिला छिंदवाड़ा
9.	साफ		
10.	–	15.	**7415678445, 9893587508**

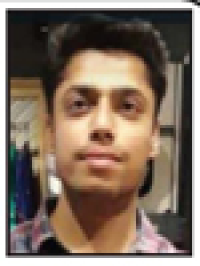

1.	004		
2.	**अंकित कैलाशचंद जैन**		
3.	म्याने/भंडारी		
4.	06.02.1993		
5.	11.20	11.	–
6.	कोटा	12.	–
7.	M.Com, ABST	13.	नहीं
8.	5'8''/ 60 कि.	14.	185–बी, जयहिंद नगर–1, बारां रोड कोटा (राज.)
9.	गोरा		
10.	सर्विस– इंफोसिस, जयपुर	15.	**7240563061, 9414310056**

1.	005		
2.	**नितिन नरेन्द्र जैन**		
3.	वैद्य/गुढ़ारे		
4.	22.11.1990		
5.	05.25	11.	6 लाख
6.	–	12.	हाँ
7.	B.E, M.Tech	13.	–
8.	5'5''/ – कि.	14.	श्री शीतल डिस्पोजल, दुर्गा चौक किरी मोहल्ला, विदिशा
9.	साफ		
10.	सर्विस– नागपुर	15.	**9827544482, 8770844525**

1.	006		
2.	**इंजी. अमन विकास जैन**		
3.	बिलौआ/परीदे		
4.	20.07.1995		
5.	09.23	11.	25.00 लाख
6.	होशंगाबाद	12.	हाँ
7.	B.Tech (C.S)	13.	आंशिक
8.	5'8''/60 कि.	14.	9/28, गोल्ड जिम के पास विजय नगर, इन्दौर
9.	गेहुँआ		
10.	सर्विस–सेमसंग, बैंगलोर	15.	**9926435702**

1.	007		
2.	**अल्फा अनिलकुमार जैन**		
3.	जमोरिया/फणीश		
4.	27.12.1992		
5.	07.00	11.	–
6.	विदिशा	12.	–
7.	M.Sc. (C.S)	13.	–
8.	5'4''/– कि.	14.	सेंट्रल बैंक के सामने, किरी मोहल्ला विदिशा
9.	गोरा		
10.	सर्विस	15.	**9329825524, 8989412135**

1.	008		
2.	**प्रशम प्रशांत जैन**		
3.	पंचरतन/भूषण		
4.	01.06.1992		
5.	23.28	11.	9.60 लाख
6.	इन्दौर	12.	–
7.	B.E. (CSE)	13.	–
8.	5'9''/ 60 कि.	14.	11, सेक्टर–ए, वैभव नगर कनाड़िया रोड, इन्दौर
9.	गेहुँआ		
10.	साफ्टवेयर इंजीनियर	15.	**9826566139, 7999620792**

1.	009		
2.	**आयुष अनिल कुमार जैन**		
3.	पटवारी/बिलौआ		
4.	01.03.1995		
5.	–	11.	–
6.	बबीना केण्ट	12.	–
7.	B.E. (Mechanicals)	13.	–
8.	5'5''/– कि.	14.	14/1, इन्द्रा स्मारक के पास, चुंगी नं. 2 के सामने, बबीना केण्ट, जिला झाँसी
9.	गेहुँआ		
10.	सर्विस – पुणे	15.	**9074061150, 9993102556**

1.	010		
2.	**ऋषभ अशोक कुमार जैन**		
3.	भंडारी/सोनब्यारे		
4.	06.10.1996		
5.	–	11.	4.20 लाख
6.	बबीना केण्ट	12.	–
7.	M.Tech	13.	–
8.	5'5''/63 कि.	14.	तालबपुरा, जैन मंदिर के पास, बबीना केण्ट जिला झाँसी
9.	साफ		
10.	सर्विस – मेगा पाईप्स, मुंबई	15.	**8887878268, 9828437005**

1.	011		
2.	**पंकज सुमत कुमार जैन**		
3.	दिवाकीर्ति/फणीश		
4.	07.10.1993		
5.	21.48	11.	6.00 लाख
6.	–	12.	नहीं
7.	M.Sc.(Chemistry), PGDCA	13.	नहीं
8.	5'7''/ – कि.	14.	पवा, तालबेहट ललितपुर
9.	गोरा		
10.	सर्विस–गोदरेज एग्रोवेट लि.	15.	**8423982101, 7869913085**

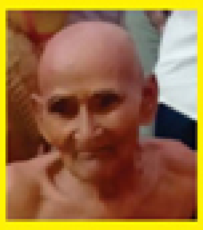

* इन्दौर गोलालारीय समाज के वरिष्ठ सदस्य **श्री गुलजारीलाल जी** उज्जैन स्थित तपोभूमि पर लम्बे समय से ब्रह्मचारी व्रत का पालन करते रहे हैं, 22 मई को 108 आचार्य श्री प्रज्ञासागर जी महाराज ने क्षुल्लक दीक्षा प्रदान कर मुक्ति मार्ग प्रशस्त किया।

"प्रयास"
रिश्तों को जोड़ने का

प्रयास रिश्तो को जोड़ने का.. विवाह योग्य युवक–युवती परिचय पुस्तिका का पांचवा अंक दिसम्बर 2022 को प्रकाशित होना है जिसके लिए ऑनलाइन/ ऑफलाइन प्रविष्टि फॉर्म 4 अगस्त से भरे जाना है। आपकी रिश्तेदारों या परिचितों के परिवारों में विवाह योग्य प्रत्याशी हैं तो उन्हें इस पत्रिका की जानकारी अवश्य देवें। ऑनलाइन/ऑफलाइन प्रविष्टि फॉर्म मंगाने के लिए आप प्रयास पुस्तिका के व्हाट्सएप नंबर 94069 34065 (यह नम्बर चर्चा के लिए उपलब्ध नहीं है) पर अपना नाम व पता लिखकर प्रेषित कर देवें। जानकारी प्राप्त होते ही आपको प्रविष्टि फॉर्म की ऑनलाइन की लिंक प्रेषित कर दी जावेगी। **अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें – राजेन्द्र जैन 'बागो', 9424013136**

।। श्री चंद्रप्रभ जिनेन्द्राय नमः ।।

श्री 1008 अतिशय क्षेत्र ''चंद्रायतन'' जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ की झलकियाँ...

* भगवान के माता पिता– श्री अशोककुमार–सुनीता जैन * सौंधर्म इन्द्र– श्री नीरज–वंदना जैन,
* कुबेर इंद्र – श्री कैलाशचंद– सारिका जैन, * महायज्ञ नायक– श्री महेंद्र – सुषमा जैन,
* ईशान इंद्र – श्री जिनेंद्र– सविता जैन, * सनत कुमार इंद्र– श्री पुर्ष्पेंद्रकुमार– अनीता जैन
* महेन्द्र इंद्र– श्री विमलकुमार –सुनीता जैन
* ध्वजारोहणकर्ता – श्री रितेश कुमार, शुद्धि, कशिश एवं शोर्य बाकलीवाल परिवार, रायपुर
* आयोजन के द्रव्यदाता – श्री स्वजीत–रितु जैन
* बाहुबली– श्री महेंद्र– सुनीता जैन, * भरत– श्री दीपक –रूपा जैन,

आयोजन के प्रमुख देव पात्र – श्री चक्रेश–अर्चना जैन, श्री राहुल– मोना जैन श्री शैलेश –ज्योति जैन, श्री धीरेंद्र– अर्चना जैन, श्री निर्मल – साधना जैन श्री प्रकाशचंद– मीना जैन, श्री सुनील –नीलम जैन, श्री राजेश –साधना जैन, श्री बिहारी –राजकुमारी जैन श्री नवीन– नम्रता जैन, श्री सोमचंद –पुष्पा जैन, श्री झगडूलाल– खिलौना जैन, श्री हर्षित– अलका जैन, श्री सत्येंद्र– सपना जैन

* अष्टकुमारियां – कु. आर्या, सेजल, मनाली, शीनल, मौली, पूजा, प्रिया, खुशी, प्रतीक्षा, रिमझिम, प्राची, आशी, आराध्या, साक्षी, आस्था, आशिका, सोनाली, श्रुति, स्वाति, अदिति, शैवी, आर्या, गुड़िया, सोनाल, प्रज्ञा, राशि, प्रिया, आरती, ज्योति, श्रेया, रौनक जैन।
* बालक आदि कुमार व प्रमुख बाल सखा– मास्टर आगम, संभव, शौर्य जैन।
* नीलांजना – कु. मुक्ति व आशि जैन
* लोकांतिक देव – मा. आगम, धैर्य, आस्तिक, श्रेयश, विनय व नीर जैन
* पंडाल व्यवस्था समिति – श्री रविन्द्र जैन, श्री नितेश जैन, श्री ऋषभकुमार जैन, श्री राजेन्द्र कुमार जैन व श्री सुनील कुमार जैन
* अतिथि सम्मान – श्री नृपेंद्र कुमार व श्री सुनील कुमार जैन
* भोजन व्यवस्था के प्रभारी – श्री मनोजकुमार जैन, श्री अनिल जैन, श्री धर्मेंद्र कुमार जैन (मिट्ठू भैया) श्री आशीष जैन, श्री सुनील कुमार जैन व श्री स्वजीत कुमार जैन।
* आवास व्यवस्था – श्री राहुल जैन, धर्मेन्द्र जैन, श्री शनि जैन, श्री धर्मेन्द्र जैन, श्री अमर जैन, श्री नमन जैन व श्री प्रवीण जैन।
* मुनि सेवा समिति – श्री रुपेश जैन, सरगम जैन, श्री प्रभात जैन श्री अर्चित जैन, श्री रोशन जैन, श्री अर्पित जैन, श्री विनित जैन, संस्कार जैन, श्री सनत जैन, प्रत्यूष जैन, श्री सुनील जैन, श्री राजू जी और श्री शशांक जैन

प्रेम पत्र – तंबाकू का हम सभी (इंसानों) के लिए

मैं आपकी तंबाकू, मेरा बांटने बॉटनिकल नाम निकोटीन टोबेकम है, और मैं एशियन टाइम से लगभग 1400 ईस्वी सन से इस पृथ्वी पर एक वनस्पति की पत्ती के रुप में पाई जाती हूं। शुरू-शुरू में इंसान ने मुझे पहचान कर एक दर्द निवारक औषधि के रूप में उपयोग कर मुझे अपनाया और दांतो के दर्द के लिए उसने मुझे बहुत ही उपयुक्त माना, इस तरह इंसान मेरा उपयोग एवं उपभोग करने लगा, इस सबके चलते कब वह मुझ से प्रेम करने लगा मुझे पता ही नहीं चला ! मैं मनुष्य के इस तरह से होने वाले प्रेम से अभिभूत होकर स्वयं पर बहुत इठलाने लगी।

प्रेम तो नितांत एक नि:स्वार्थ, निश्चल मन की भावना होती है मैंने देखा स्वार्थी इंसान इस तरह मुझसे निस्वार्थ प्रेम करता है, मैंने देखा वह तो अपने परिवार, पत्नी, बच्चे, मां- बाप, दोस्तों से भी ज्यादा प्यार तो मुझसे करता हैं एक बार ऐसा लगा, ऐसा नहीं हो सकता है और यह विचार मेरे मन में आने पर मैंने इंसान के इस नि:स्वार्थ प्रेम की वजह जानने की कोशिश की और स्वयं का आत्म अवलोकन करने लगी और सोचा कि ऐसी क्या बात है मुझमें तो पता चला मुझमे निकोटिन नामक एक आदत बनाने वाला तत्व है जिसकी वजह से स्वार्थी इंसान मुझसे प्रेम करने लगा ।

मैंने देखा इंसान का इस तरह से मुझसे प्रेम करने से उसका परिवार बिखरता जा रहा था, इस पर मेरी मानवीय संवेदना जागृत होकर इंसान के परिवार के बारे में सोचने लगी और फिर मैंने अपने दुष्प्रभाव इंसान पर छोड़ने शुरू किए, जैसे कि मुंह में छाले होना, मुंह में घाव हो जाना, छाले का ठीक नहीं होना, मुंह का नहीं खुलना, मुँह में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी होना इत्यादि। इन सबके बावजूद इंसान का प्रेम मेरे पति कम होता दिखाई नहीं दिया और तो और वह मुझमें केसर मिलाकर, कभी इलायची का स्वाद डालकर, कभी खस की खुशबू मिलाकर मुझसे नितांत नि:स्वार्थ प्रेम करता रहा। मैंने इंसान को डराने के लिए अपने मोह से दूर करने के लिए यमराज देवता से भी दोस्ती कर ली और कई इंसानों का जीवन लील भी लिया, और कई इंसानो का जीवन चक्र भी कम कर दिया बहुत सारे नियम कानून भी बनवाए पर इंसान का मुझसे प्रेम कम होता प्रतीत नहीं हुआ, मैं बड़ी दुखी हूँ अपने इस कृत्य पर ।

मैं इंसान से रुठती रही प्रार्थना करती रही कि मुझसे प्रेम ना करें इंसान से प्रेम करें, परिवार से प्रेम करें, दोस्तों से प्रेम करें पर इंसान का प्रेम मुझसे कभी कम नहीं हुआ जैसे कि 'दिल है कि मानता नहीं' प्यार है कि कम होता नहीं और तो और इंसान का प्रेम सोहनी-महिवाल, हीर-रांझा, लैला-मजनू जैसे प्रेमियों भी ज्यादा मुझसे प्रतीत होता हैं। मैं अभिभूत हूँ इंसान जैसे स्वार्थी प्राणी का मुझसे इस तरह से निश्चल प्रेम देखकर ! पता नहीं कब इंसान के इस तरह के प्रेम बंधन से मुक्त होकर मैं अपने तरह से जी पाऊंगी। अंत में बड़े भारी मन से आपसे विदा लेने के भाव सहित इस वादे के साथ कि आप अब मुझसे ज्यादा अपने आप से, अपने परिवार से, दोस्तों से प्रेम करेंगे एवं स्वस्थ सुखी, प्रसन्न वातावरण का निर्माण करेंगे।

प्रेम त्याग की भावना का अनुसरण करते हुए मुझे तिलांजलि दें, विदा करेंगे ।

– आपकी प्रिय तंबाकू

आलेख – डॉ. रुपेश मोदी, छाती एवं हृदय रोग विशेषज्ञ, इंदौर

नवदाम्पत्य की बधाईयाँ...

आयुष्मान शुभम

सुपौत्र: स्व. श्रीमती गेंदाबाई-स्व.श्री चन्द्रभानजी जैन

सुपुत्र : श्रीमती सुनिता-कैलाशचन्द्र जैन, इन्दौर

का शुभविवाह

आयुष्मति सुरभि

सुपौत्री : स्व. श्रीमती सरजूबाई-स्व. श्री दमरुलालजी जैन

सुपुत्री : श्रीमती माला-श्री सुदर्शनजी जैन, बांसी

के साथ दिनांक 18 अप्रैल 2022, को गिरधर महल, इन्दौर में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ ।

विवाहोत्सव की हार्दिक बधाईयाँ...

आयुष्मान देवांश

सुपौत्र: स्व. श्रीमती राजाबाई–स्व.श्री हजारीलाल जैन
सुपुत्र : श्रीमती मीना–अभयकुमार जैन, विदिशा

संग

आयुष्मति चंचला

सुपौत्री : स्व. श्रीमती शांतीबाई–स्व. श्री प्रेमचंदजी जैन
सुपुत्री : श्रीमती सरोज– श्री संजीवकुमार जैन, अहमदाबाद

का शुभ विवाह
दिनांक 17 अप्रैल 2022 में शीतलधाम, विदिशा
में चक्रवर्ती विवाह के रूप में साआनंद संपन्न...

चिं. वैभव

सुपौत्र – स्व. श्रीमती रतनबाई–स्व. श्री रामदासजी जैन
सुपुत्र – श्रीमती रजनी–स्व. श्री सतीशकुमार जैन, इन्दौर

का परिणय

सौ. कां. निधि

सुपौत्री – स्व. श्रीमती गिरजाबाई–स्व. श्री मनसुखलालजी जैन
सुपुत्री – सौ. कल्पना–सा. श्री दिलीपकुमारजी जैन, देवेन्द्र नगर (पन्ना)

के साथ दिनांक 21 अप्रैल 2022, गुरुवार को
ग्रेटर बाबा, एरोड्रम रोड़
इन्दौर में हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न हुआ ।

विवाहोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ...

आयुष्मान शुभम

सुपौत्र : कीर्तिशेष श्रीमती विमला – मोदी श्री शिखरचंद्रजी जैन
सुपुत्री : श्रीमती अंजना–श्री सुशीलकुमार जैन (पवा वाले), ललितपुर

संग

सौ.कां. श्रद्धा

सुपौत्री : कीर्तिशेष श्रीमती नन्हीबाई–कीर्तिशेष सिं. श्री हरिदासजी जैन
सुपुत्री : श्रीमती ममता–सिं. श्री जितेन्द्र कुमार जैन (बड़ौरावाले), ललितपुर

का शुभविवाह

दिनांक 20 मई को श्री श्री 1008 श्री दि. जैन सिद्ध क्षेत्र
पावागिरीजी, तालबेहट पर संपन्न हुआ ।
दीदी–जीजाजी : श्रीमती सुलभा–ललितकुमार जैन, कोटा
भांजी – वासुधा जैन

हृदयांशी डॉ. साक्षी

सुपौत्री : स्मृतिशेष राजधरलाल–स्मृतिशेष शांतिबाई जैन
सुपुत्री : श्री जिनेशकुमार–श्रीमती रेखा जैन (विदिशा)

संग

हृदयांश पारस

सुपौत्र : स्मृतिशेष श्री चांदमलजी–स्मृतिशेष चंदाबाई सेठी
सुपुत्र : शाह श्री अनिलकुमारजी–श्रीमती ऊषा सेठी (औरंगाबाद)

का शुभ विवाह
दिनांक 31 मई 2022 को श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र श्री महावीर तपोभूमि
उज्जैन में हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न...

प्रतिष्ठान : समर्पण हेल्थ केयर, आन्या कलेक्शन, श्री निकलंक फार्मा

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, संपादक मंडल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है । किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा ।
स्वामी श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा प्रकाशित प्रतीक्षा ग्राफिक्स 127, देवी अहिल्या मार्ग इन्दौ से मुद्रित एवं ग्राफिक्स ज़ील कम्प्यूटर एंड ग्राफिक्स 356, तिलक नगर श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित ।